पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल ने प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नैक मूल्यांकन हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

कोर्स के नाम शार्ट–टर्म में न लिखकर फुल फार्म में ही अंकित करें

विशेषज्ञों का पूर्ण विवरण और कार्यक्रम की जानकारी अंकित करें

विद्यार्थियों के उपलब्धिपरक उल्लेखों, प्लेसमेंट आदि को भी दर्शाएं

सामाजिक कार्यों से हुए परिवर्तन का तुलनात्मक विवरण अंकित करें

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 16 जनवरी, 2024

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन में प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नैक हेतु सेल्फ स्टडी रिपोर्ट के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अखिलेश कुमार सिंह ने प्रस्तुतिकरण से पूर्व राज्यपाल जी को जानकारी दी कि विश्वविद्यालय में प्रारम्भ से वर्ष 2023 तक आर्ट्स और कामर्स दो ही फैकल्टी रही हैं। अब विधि, कृषि और विज्ञान की फैकल्टी भी प्रारम्भ हो गई हैं। लेकिन नैक मूल्यांकन प्रारम्भ के 5 वर्षों तक रही दो फैकल्टी आर्ट्स और कामर्स के आधार पर ही होगा।

राज्यपाल जी ने मूल्यांकन के सभी सातों क्राइटेरिया पर बिंदुवार प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की और अपेक्षित सुधार हेतु व्यापक दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि विवरण में कहीं भी कोर्स के नाम शार्ट–टर्म में न लिखकर फुल फार्म में ही अंकित करें। उन्होंने विश्वविद्यालय में विविध अवसरों पर आए विशेषज्ञों का पूर्ण विवरण और कार्यक्रम

की जानकारी भी एस.एस.आर. में लगाए गए फोटो के साथ अंकित करने को कहा। टीचिंग, लर्निंग एण्ड इवैलुएशन पर प्रस्तुतिकरण देखते हुए उन्होंने कहा कि साधारण विद्यार्थियों में हुए उत्कृष्ट सुधारों तथा उत्कृष्ट विद्यार्थियों के उपलब्धिपरक उल्लेखों, प्लेसमेंट आदि को भी एस.एस.आर. में दर्शाएं। उन्होंने विविध बिंदुओं पर समग्रता से चर्चा करते हुए फोटो के साथ कैप्शन की भाषा सुधारने, गतिविधि का विस्तृत विवरण अंकित करने को कहा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड लर्निंग रिर्सोसेज के मूल्यांकन बिंदुओं की समीक्षा के दौरान पुस्तकालय में किताबों की खरीद पर होने वाले व्यय की चर्चा भी हुई। राज्यपाल जी ने इसके लिए जनसहभागिता से आपूर्ति कराने, जनप्रतिनिधियों के माध्यम से इस कार्य हेतु सक्षम नागरिकों, संस्थाओं को प्रेरित करने का सुझाव दिया। उन्होंने प्रस्तुतिकरण के विवरण में क्रमबद्धता लाने और उसी क्रम में फोटो लगाने को कहा, जिससे मूल्यांकन कमेटी सहजता से संदर्भ और प्रमाण अवलोकित कर सके।

क्राइटेरिया सात में बेस्ट प्रैक्टिस के विवरण की समीक्षा करते हुए राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय द्वारा गाँवों में किए जा रहे सामाजिक कार्यों से हुए परिवर्तन का तुलनात्मक विवरण अंकित करने को कहा। उन्होंने कहा कि कुपोषण से मुक्ति, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण, आंगनवाड़ी केन्द्रों पर किट की सामग्री प्राप्त होने के बाद बच्चों की गतिविधियों और संख्या में वृद्धि, गोद लिए टी0वी0 मरीजों से अब तक स्वस्थ हो चुके लोगों की संख्या, जागरूकता प्रसार से संस्थागत प्रसवों में बढ़ोत्तरी जैसे विविध कार्यों का उल्लेख और उनके फोटो भी एस.एस.आर. में लगाएं। उन्होंने टीम के सभी सदस्यों बेहतर तैयारी करके उत्कृष्ट एस.एस.आर. दाखिल करने और उच्चतम ग्रेड

प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। यहाँ उल्लेखनीय है कि राज्यपाल जी द्वारा विश्वविद्यालयों के सिलेबस में ट्रांसजेण्डर्स के लिए शिक्षा व्यवस्था करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जो कि समाज में लैंगिक विषमताओं को दूर करके एक वृहद दृष्टिकोण की स्थापना में महत्वपूर्ण है। आज की बैठक में भी विश्वविद्यालय ने ट्रांसजेण्डर्स के लिए शिक्षा सम्बन्धी अपने विवरण को प्रस्तुत किया। नैक मूल्यांकन के सातों क्राइटेरिया में कोर्स सम्बन्धी यह व्यवस्था क्राइटेरिया–1 के अंतर्गत आती है।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा, विश्वविद्यालय द्वारा नैक तैयारी हेतु गठित टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

——————

डा0 सीमा गुप्ता,
सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361